बंद रहीं दवा दुकानें, पीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 20 मई. जिला औषधि विक्रेता संघ (सम्बद्ध: मध्य प्रदेश केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन) के आह्वान पर आज, 20 मई को छतरपुर जिले के समस्त केमिस्ट एवं दवा विक्रेताओं ने अपनी दुकानें पूर्णतः बंद रखकर एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की. इस आंदोलन का समर्थन ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) द्वारा किया गया. हड़ताल के पश्चात व्यापारियों ने स्थानीय प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन सौंपा.

मरीजों की सुरक्षा से खिलवाड़ का आरोप

कोविड काल के नियमों के दुरुपयोग का दावा

जिला औषधि विक्रेता संघ के अध्यक्ष अशोक पटैरिया, सचिव कैलाश साहू और कोषाध्यक्ष सनत गुरुदेव द्वारा हस्ताक्षरित इस ज्ञापन में ऑनलाइन दवा कंपनियों की मनमानी पर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है. दवा व्यापारियों का कहना है कि ऑनलाइन माध्यम से हो रही दवाओं की अवैध बिक्री, बिना वैध व सत्यापित ई-प्रिस्क्रिप्शन के दवाओं की होम डिलीवरी और बिना किसी स्पष्ट वैधानिक प्रावधान के घर-घर दवा वितरण जैसी गतिविधियां करोड़ों मरीजों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन चुकी हैं. केमिस्ट एसोसिएशन ने साफ तौर पर कहा कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 एवं नियम 1945 में ऑनलाइन दवा बिक्री का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है, इसके बावजूद ई-कॉमर्स कंपनियां धड़ल्ले से व्यापार कर रही हैं. दवा विक्रेताओं ने ध्यानाकर्षण कराते हुए बताया कि कोविड महामारी जैसी असाधारण परिस्थिति में आपातकालीन समय के लिए जो अधिसूचनाएं जारी की गई थीं, वर्तमान सामान्य परिस्थितियों में उनकी कोई आवश्यकता नहीं है. परंतु, विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म एवं क्विक कॉमर्स कंपनियों द्वारा इसका दुरुपयोग कर अनियंत्रित तरीके से दवाओं की होम डिलीवरी की जा रही है.

छोटे व्यापारियों के अस्तित्व पर संकट

ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि ऑनलाइन कंपनियों की इन अनियंत्रित गतिविधियों को तुरंत नहीं रोका गया, तो देश के लाखों लाइसेंसधारी छोटे केमिस्ट और दवा व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का अभूतपूर्व संकट खड़ा हो जाएगा. पदाधिकारियों ने याद दिलाया कि कोविड महामारी जैसे अत्यंत कठिन समय में भी देश के दवा व्यापारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर पूरे देश में निर्बाध दवा आपूर्ति सुनिश्चित की थी. दवा विक्रेताओं ने जनहित और मरीजों की सुरक्षा के व्यापक हित में प्रधानमंत्री से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर आवश्यक एवं सख्त कार्रवाई करने की विनम्र अपील की है.

एसोसिएशन की प्रमुख मांगें

- कठोर कार्रवाई: अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री के विरुद्ध सरकार तत्काल और कठोर कानूनी कार्रवाई करे.
- पूर्ण प्रतिबंध: बिना वैध एवं सत्यापित ई-प्रिस्क्रिप्शन के दवाओं की बिक्री और होम डिलीवरी को पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाए.
- अधिसूचनाएं वापस लें: आपातकाल में लागू की गई पुरानी अधिसूचनाओं को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए.
- बाजार नीति पर रोक: ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स द्वारा अपनाई जा रही अत्यधिक छूट (डीप डिस्काउंटिंग) एवं गलाकाट प्रतियोगिता (पीडेटरी प्राइसिंग) की नीति पर तुरंत रोक लगाई जाए, जिससे छोटे व्यापारियों का अस्तित्व बच सके.

लुटेरी दुल्हन गहने-नकदी लेकर फरार

बीमारी का बहाना कर जिला अस्पताल में भर्ती हुई थी उड़ीसा की युवती

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 20 मई. जिले में 'लुटेरी दुल्हन' का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ बिजावर के एक युवक से दलालों के माध्यम से शादी रचाने के महज चार दिन बाद एक नवविवाहिता सोने-चांदी के जेवरात और रुपये समेटकर रफूचक्कर हो गई. शातिर दुल्हन ने भागने के लिए बीमारी का बहाना बनाया और जिला अस्पताल के बाथरूम की खिड़की या रास्ते से चकमा देकर फरार हो गई. पीड़ित दूल्हे और उसके परिवार ने इस धोखाधड़ी की लिखित शिकायत सिटी कोतवाली थाने में दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है.

दलालों को 1.5 लाख देकर मंदिर में रचाया था ब्याह

जानकारी के अनुसार, बिजावर निवासी सोनू पाठक (35 वर्ष) की शादी नहीं हो रही थी. इसी बीच उड़ीसा के संबलपुर निवासी काशीराम पल्लवी नामक एक दलाल ने सोनू से संपर्क किया और डेढ़ लाख रुपये के एवज में शादी कराने का भरोसा दिया. दलाल ने युवक को शादी के लिए तीन लड़कियां दिखाईं, जिनमें से सोनू ने उड़ीसा की ही रहने वाली मनीषा नाम की युवती को पसंद कर लिया. इसके बाद 13 मई को सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल बागेश्वरधाम में दोनों पक्षों के बीच 'मुंह दिखाई' की रस्म पूरी की गई.

गृह प्रवेश के बाद शुरू हुआ ड्रामा

सहमति बनने के बाद अगले ही दिन यानी 14 मई को छतरपुर स्थित प्रसिद्ध नरसिंह मंदिर में सोनू पाठक और मनीषा का विवाह हिंदू रीति-रिवाज और दोनों पक्षों की मौजूदगी में संपन्न हुआ. शादी के बाद दुल्हन जब बिजावर स्थित घर पहुंची तो परिवार में खुशियों का माहौल था. 16 मई को विवाह की रस्मों के अगले ही दिन सुबह नवविवाहिता मनीषा ने अचानक शारीरिक कमजोरी, घबराहट और बीमारी का बहाना बनाना शुरू कर दिया. दुल्हन की तबीयत बिगड़ती देख चिंतित परिजनों ने उसे 18 मई को इलाज के लिए जिला अस्पताल छतरपुर में भर्ती कराया. अस्पताल में उपचार के दौरान ही नवविवाहिता ने परिजनों से बाथरूम जाने की बात कही. जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की. खोजबीन करने पर पता चला कि वह अस्पताल परिसर से गायब हो चुकी है. घर जाकर देखने पर मालूम हुआ कि वह अपने साथ शादी के जेवरात और नकदी भी समेट ले गई है. पीड़ित परिवार की शिकायत पर सिटी कोतवाली पुलिस ने मर्ग व धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर दलालों और फरार युवती की तलाश शुरू कर दी है.

एक नजर में

पति की मौत के मामले में पत्नी हिरासत में

छतरपुर. छतरपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत टौरिया मुहल्ला में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ पति की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है. मृतक ने मौत से पहले अस्पताल चौकी पुलिस को दिए बयानों में अपनी ही पत्नी पर गंभीर मारपीट करने के आरोप लगाए थे. तीन दिन पहले जिला अस्पताल में कराया था भर्ती प्राप्त जानकारी के अनुसार, टौरिया मुहल्ला निवासी दीपक रैकवार को तीन दिन पूर्व अत्यंत गंभीर और मरणासन्न हालत में जिला अस्पताल छतरपुर में भर्ती कराया गया था. हालत में सुधार न होने और अंदरूनी चोटों के कारण अस्पताल की चौकी पुलिस को दिए बयानों में दीपक ने अपनी पत्नी पर बेरहमी से मारपीट करने और प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप मढ़े थे. जिला अस्पताल में डॉक्टरों की देखरेख में इलाज चलने के बावजूद दीपक की हालत लगातार बिगड़ती गई और आखिरकार उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया. दीपक की मौत के बाद मामला हत्या और गंभीर अपराध में तब्दील हो गया, जिसके बाद कोतवाली थाना पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मर्ग कायम किया और आरोपी पत्नी को हिरासत में ले लिया. पुलिस अब मृतका के परिजनों और आस-पड़ोस के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि घरेलू विवाद और हत्या की असली वजह का खुलासा हो सके.

शराबी ट्रक चालक ने कई वाहनों में मारी टक्कर

आष्टा. मंगलवार रात शहर में एक शराब के नशे में धुत आयशर ट्रक चालक ने जमकर आतंक मचा दिया. तेज रफ्तार ट्रक ने पहले कन्नौद रोड पर एक बाइक सवार को टक्कर मारी, इसके बाद पुराने भोपाल-इंदौर हाईवे पर एक कार और दूसरी बाइक को भी अपनी चपेट में ले लिया. लगातार हो रही टक्करों से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और सड़क पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई. घटना के बाद चालक ट्रक से कूदकर फरार हो गया, जबकि उसके साथ मौजूद क्लीनर को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 15 इंदिरा कॉलोनी निवासी चालक मनोज मालवीय अपने भाई सुनील मालवीय के साथ ट्रक चला रहा था. बताया जा रहा है कि दोनों शराब के नशे में थे और ट्रक की रफ्तार बेहद तेज थी. स्थानीय लोगों ने वाहन रोकने की कोशिश भी की, लेकिन चालक ने किसी की नहीं सुनी और तेज गति से वाहन दौड़ाता रहा. पहले कन्नौद रोड पर एक बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद ट्रक पुराने भोपाल-इंदौर हाईवे की ओर बढ़ा, जहां दरगाह के समीप उसने एक कार और दूसरी बाइक को भी टक्कर मार दी. हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोगों को चोटें आईं. टक्कर का शिकार हुई कार में पूर्व पार्षद इदरीश मंसूरी अपने परिवार के चार सदस्यों के साथ भोपाल से आष्टा लौट रहे थे. हादसे को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह तेज रफ्तार ट्रक सामने से आया, उससे पहली बार मौत को इतने करीब से महसूस किया.

भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी को तरस रहे ग्रामीण

रामटौरिया में तीन दिन से नल-जल योजना ठप

नवभारत न्यूज
घुवारा/छतरपुर, 20 मई. घुवारा क्षेत्र के सुजारा बांध परियोजना से जुड़े ग्राम रामटौरिया में पिछले तीन दिनों से पेयजल सप्लाई पूरी तरह बंद पड़ी है. नौतपा और भीषण गर्मी के इस दौर में जल प्रदाय ठप होने से ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिसे लेकर स्थानीय जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है.

ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

हैंडपंप और कुओं पर निर्भर हुए ग्रामीण

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुजारा बांध परियोजना के तहत गांव में नल-जल योजना के माध्यम से पानी की सप्लाई की जाती है, लेकिन पिछले तीन दिनों से अचानक यह सप्लाई बंद है. तापमान 46 डिग्री के पार होने के कारण पानी की मांग बढ़ गई है, ऐसे में सप्लाई बंद होने से लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हो रहे हैं. ग्रामीण इस तपती धूप में मजबूरन गांव से दूर-दराज खेतों में स्थित हैंडपंपों और कुओं से पानी ढोने को विवश हैं, जिससे उनका रोजमर्रा का कामकाज भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है.

प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम

योजना के बंद होने और जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता से नाराज ग्रामीणों ने बीती शाम 5 बजे एकत्रित होकर अपना विरोध दर्ज कराया. ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि अगले 24 घंटे के भीतर गांव की नल-जल सप्लाई को सुचारू रूप से शुरू नहीं किया गया, तो समस्त ग्रामीण उग्र आंदोलन और चक्काजाम करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी. फिलहाल, भीषण तपन के बीच ग्रामीण पानी के टैंकरों और वैकल्पिक स्रोतों के सहारे दिन काटने को मजबूर हैं.

सुहानी अमेरिका में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

पीजी कॉलेज की छात्रा का अंतरराष्ट्रीय युवा सम्मेलन के लिए चयन

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 20 मई. जिले के शासकीय कन्या पीजी महाविद्यालय की स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा सुहानी सिंह यादव ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है.

सुहानी का चयन अमेरिका के लॉस एंजेलिस में आयोजित होने वाले 13वें अंतरराष्ट्रीय युवा सम्मेलन के लिए भारतीय प्रतिनिधि के रूप में हुआ है. इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार और पूरे जिले में खुशी का माहौल है. गौरतलब है कि इस प्रतिष्ठित इंटरनेशनल यूथ कॉन्फ्रेंस में हर वर्ष दुनिया के लगभग 183 देशों के युवा आवेदन करते हैं, जिसमें से जनसंख्या के आधार पर प्रत्येक देश से महज 10 से 50 प्रतिभागियों का ही चयन किया जाता है. सुहानी की इस सफलता पर महाविद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें शुभकामनाएं दी गईं. इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. पी.के. दीक्षित, डॉ. बी.के. प्रजापति, डॉ. शशिकांत अवस्थी, डॉ. सौरभ, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. शुभा मिश्रा और छात्रा के भाई सुरजीत सिंह उपस्थित रहे.

एक सप्ताह से ठप है बीएसएनएल सेवा

हरपालपुर, 20 मई. भारतीय संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की लाइन पिछले एक सप्ताह से ठप पड़ी होने से उपभोक्ता परेशान हैं. वे न तो कहीं फोन लगा पा रहे हैं और न ही फोन आ रहे हैं. उपभोक्ताओं का कहना है बीएसएनएल नए कस्टमर जोड़ने एक रुपए में नई सिम के साथ 30 दिन की वैलिडिटी उपलब्ध करा रहा हैं, जबकि पुराने कस्टमर बीएसएनएल की लड़खड़ाई सेवा से दूरी बना रहे हैं. ऐसे में पिछले एक सप्ताह से बंद पड़ी बीएसएनएल सेवा का उपभोक्ता लाभ नहीं उठा पा रहे हैं.

जागरुकता | **200 छात्र-छात्राओं को बताए सड़क सुरक्षा के नियम**

क्लाइमेक्स एकेडमी में लगी 'यातायात पाठशाला'

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 20 मई. सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति भावी पीढ़ी को जिम्मेदार बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक (एसपी) रजत सकलेचा के निर्देशन में जिले के शैक्षणिक संस्थानों में निरंतर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं.

हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग की हिदायत दी

'गोल्डन ऑवर' और 'राहगीर योजना' पर विशेष जोर

इसी श्रृंखला में आज यातायात पुलिस द्वारा शहर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान 'क्लाइमेक्स एकेडमी' में एक विशेष 'यातायात पाठशाला' का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में संस्थान के 200 से अधिक छात्र-छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक बृहस्पति साकेत ने छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया. उन्होंने विभिन्न यातायात संकेतों की पहचान, सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली शारीरिक व आर्थिक क्षति और असामयिक मृत्यु जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला. यातायात प्रभारी ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन करना न सिर्फ बेहद सरल है, बल्कि यह हमारे और हमारे परिवार की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है. उन्होंने छात्र-छात्राओं से आग्रह किया कि वे स्वयं तो नियमों का पालन करें ही, साथ ही अपने परिजनों और मित्रों को भी इसके लिए प्रेरित करें.

पाठशाला में छात्र-छात्राओं को दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से आईएसआई मार्का हेलमेट लगाने और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का उपयोग करने की हिदायत दी गई. इसके साथ ही वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के उपयोग से होने वाले जानलेवा खतरों के प्रति भी सचेत किया गया. पुलिस टीम ने युवाओं को वाहन चेकिंग अभियान, चालानी कार्रवाई और ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी वैधानिक नियमों की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि 18 वर्ष की आयु पूरी होने और वैध लाइसेंस बनने के बाद ही सड़कों पर वाहन लेकर निकलें.

इस दौरान दुर्घटना के बाद के पहले एक घंटे यानी 'गोल्डन ऑवर' की महत्ता समझाई गई, जो किसी घायल की जान बचाने के लिए सबसे कीमती समय होता है. इसके तहत शासन की 'राहगीर योजना' (गुड सेमरीटन स्कीम) की जानकारी दी गई, जिसके अंतर्गत सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को बिना किसी कानूनी पचड़े के शीघ्र अस्पताल पहुंचाने वाले मददगार नागरिक को शासन द्वारा प्रोत्साहन राशि और इलाज के व्यय की प्रतिपूर्ति प्रदान की जाती है.

परीक्षा की तैयारी, टाइम मैनेजमेंट के भी मिले टिप्स

यातायात नियमों के साथ-साथ इस सत्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को करियर गाइडेंस भी दिया गया. पुलिस अधिकारियों और विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को प्रोफेशनल एथिक्स (व्यावसायिक नैतिकता), परीक्षा की सटीक तैयारी, बेहतर टाइम मैनेजमेंट (समय प्रबंधन) और तनाव मुक्त रहकर पढ़ाई करने के व्यावहारिक टिप्स दिए, जो आगामी कॉम्पटेटिव परीक्षाओं में उनके लिए बेहद सहायक सिद्ध होंगे.

पंचायतों में फार्मर रजिस्ट्री के लिए लगाएं कैंप

कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

नवभारत न्यूज
छतरपुर, 20 मई. कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से जिला स्तरीय राजस्व अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली. बैठक में उन्होंने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और फार्मर रजिस्ट्री सहित विभिन्न लंबित राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को काम में तेजी लाने के कड़े निर्देश दिए.

कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने निर्देशित किया कि फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को गति देने के लिए पंचायत स्तर पर क्लस्टर बनाकर विशेष कैंप आयोजित किए जाएं. उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री में खराब प्रदर्शन करने वाली तहसील सटई, घुवारा, गौरिहार, लवकुशनगर एवं महाराजपुर में प्रगति बढ़ाने तथा सबसे पीछे (बॉटम) चल रहे पांच तहसीलों के पटवारियों के कार्यों की बारीकी से समीक्षा करने के निर्देश दिए. कलेक्टर ने दोटूक कहा कि लापरवाही बरतने वाले मैदानी अमले पर कार्रवाई की जाए.

लंबित नामांतरण प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने नायब तहसीलदार ईशानगर, गढ़ीमलहरा, बक्सवाहा, लवकुशनगर, जुझारनगर एवं सरवई को निराकरण में तेजी लाने को कहा. वहीं, सीमांकन के लंबित मामलों में नायब तहसीलदार बसारी, सौरा, मातगुवां तथा तहसीलदार नौगांव एवं गौरिहार को सख्त हिदायत दी गई. बंटवारा प्रकरणों में भी निराकरण का प्रतिशत बढ़ाने के निर्देश दिए गए. कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को नियमित रूप से कोर्ट पेशी लेकर मामलों को समय-सीमा में निपटाने के निर्देश दिए. इसके साथ ही उन्होंने द्वितीय फेज में शुरू होने वाले राजस्व अभिलेखों के डिजिटाइजेशन कार्य के लिए भी सभी को पहले से तैयारियां पूरी रखने को कहा.

30 जून तक कराएं पीएम किसान ई-केवाईसी

बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा भी की गई. कलेक्टर ने बताया कि योजना का लाभ निरंतर प्राप्त करने के लिए ई-केवाईसी, बैंक खाते से आधार लिंकिंग और डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) सक्रिय होना अनिवार्य है. भारत सरकार के निर्देशानुसार सभी हितग्राहियों के लिए प्रतिवर्ष बायोमेट्रिक या फेस रिकग्निशन के माध्यम से ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है. वर्तमान वर्ष के लिए इसकी अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है. कलेक्टर ने राजस्व और कृषि विभाग के अमले को निर्देशित किया है कि वे अभियान चलाकर शत-प्रतिशत किसानों की ई-केवाईसी पूर्ण कराएं, ताकि कोई भी पात्र किसान किस्त से वंचित न रहे.